माननीय बंधुवर,

जय श्री सच्चियाय माता।

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि 'आदित्यनाग चोरड़िया व सहगोत्र निर्देशिका' आपके अवलोकनार्थ प्रेषित की जा रही है। यह 'चोरड़िया एवं सहगोत्र' भाईपा का , समाजोपयोगी, एवं सार्थक संगठन बनाने की दिशा में पहला कदम है।

१. इस निर्देशिका की अपनी सीमायें रही हैं। इस कारण अनेक त्रुटियाँ भी प्रविष्ट हो गई हैं। जैसे, अमरावती ज़िले के (पृ. ८६) स्थान पर रतलाम शीर्षक छपा है, या राजनाँदगाँव (छत्तीसगढ) का उल्लेख राजस्थान राज्य की (पृ. १४८-१४९) सूचि में हुआ है, या फिर उथागमंडलम् (उटी) की सूचि दो हिस्सों में बट गई (पृ.४१ और ७७)। इस तरह और भी त्रुटियाँ हो सकती हैं। निर्देशिका बनाने का यह पहला प्रयास है। बड़े पैमाने पर नया डेटा बेस तैयार किया है। आगे त्रुटियाँ नहीं हो, इसके लिए आपसे सहायता चाहते हैं। आपकी जानकारी में आई गलतियाँ सुधार कर भेजने के लिए आपसे सविनय निवेदन है। संलग्न 'त्रुटी-सुधार' पत्र भरकर अवश्य भेजें।

२. अनेक परिवारों के परिचय प्राप्त न होने से प्रकाशित नहीं हो सके। जिनके परिचय इस निर्देशिका में स्थान नहीं पा सके ऐसे महानुभावों के परिचय प्राप्त होने पर एक संशोधित निर्देशिका भी प्रकाशित करना है। अत: आपके परिचित आदित्यनागीय परिवार/संबंधी/मित्र आदि के परिचय छपाने के लिए उन्हें प्रेरित करें। आप सभी से अनुरोध है कि ऐसे परिवारों के परिचय पत्र शीघ्र भिजवायें। इस पत्र के साथ एक परिचय-पत्र भेज रहें हैं। ज्यादा फॉर्म की जरुरत हो तो इस परिचय पत्र की प्रतिलिपी (फोटोकॉपी) आप ले सकते हैं।

३. निर्देशिका संबंधी अपने बहुमूल्य सुझाव हमें अवगत कराने की कृपा करें, जिससे और भी सुधार किये जा सकें। निर्देशिका को अधिक आकर्षक, उपयुक्त एवं सरल बनाने के लिए आपके सुझाव आमंत्रित हैं। आपकी नयी कल्पनाएं/संकल्पनाएं लिखकर अवश्य भेजें। इससे संबंधित सूचनाओं का स्वागत है।

४. इस पत्र के साथ महासंघ के 'विधान का प्रारूप' भी आपके अवलोकनार्थ प्रेषित किया जा रहा है। यह केवल प्रथम मसौदा है। आपके विचार प्राप्त होने से इसमें सुधार करनेमें सुविधा होगी। कृपया, विधान के प्रारूप संबंधी अपने प्रस्तावों एवं सुझावों को प्रेषित करें। अधिवेशन में इस प्रारूप को अंतिम रूप देने में आपकी सूचनाओं का अमूल्य उपयोग होगा।

५. इच्छुक बंधुगण अपने क्षेत्र में ज़िला एवं राज्य स्तर पर शाखाएँ स्थापित करने हेतु अपनी इच्छा प्रदर्शित करें एवं स्वीकृति की जानकारी दें। यह कार्य जितनी जल्दी होगा उतनी जल्दी महासंघ के अधिवेशन का समारोह आयोजित करने में सुविधा होगी। इसके पश्चात अधिवेशन का कार्यक्रम निश्चित कर आपको अवगत करेंगे। अधिवेशन सितम्बर या नवम्बर २००३ में कराने का मानस है। इस अधिवेशन में स्थापित शाखाओं की/प्रमुखों की सूचि भी प्रकाशित की जाएगी।

६. विधान के पारित होने पर केन्द्रीय कार्यकारिणी का गठन होगा।

समर्थ एवं शक्तिशाली संगठन की मंगल कामना सहित।

आपका ही बंधु,

भँवरलाल जैन (चोरड़िया)

संलग्न : त्रुटी-सुधार पत्र, नवकल्पनाएं/संकल्पनाएं.

मानद कार्य हेतु इच्छा/स्वीकृति पत्र.

निवेदन: कृपया इस प्रपत्रको भरकर निम्नलिखित पते पर भेजें।

त्रुटी सुधार–पत्र

(नाम, पता, तथ्य, लेखन, सभी तरह की त्रुटियों का समावेश अपेक्षित है।)

पृष्ठ क्रम	त्रुटी	सुधार

नव कल्पनाएँ/संकल्पनाएँ (निर्देशिका अधिक उपयुक्त, आकर्षक, सरल बनाने हेतु आपकी अपनी विशिष्ट कल्पनाएँ/विचारधारा आमंत्रित हैं।)

{पता: श्री. प्रेमचंद बरड़िया, जैन चॅरिटीज्, जैन हिल्स्, जलगाँव – ४२७ ००१. महाराष्ट्र}

चोरड़िया एवं सहगोत्र महासंघ

संभाग/राज्य/जिला स्तरीय शाखा संगठन

महासंघ का कार्य राष्ट्रीयस्तर पर होगा। इस महासंघ के चार संभाग होंगे। संभागों के अंतर्गत कई राज्यों का समावेश रहेगा। हर राज्य में जिलानिहाय शाखाएँ भी होंगी। इन शाखाओं का संगठन, कार्य, आपसी एवं महासंघ से संपर्क सुचारू रूप से हो, इसलिए सामाजिक कार्यों में रूचि लेनेवाले व्यक्तियों से अपनी स्वीकृती भिजवाने के लिए निवेदन है।

(**नोट** : ऐसा कार्य निरपेक्षभाव से स्वीकार करनेवाले व्यक्ति आगे आए। यह पद मानद है। इस कार्य के लिए कोई वेतन नही। सम्भव है, अपनी ओर से कुछ खर्च करना पड़े। समय तो देना ही होगा।)

मानद कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने की इच्छा एवं स्वीकृति

- नाम: श्री/श्रीमती ______________________ शिक्षा : ______________________

  पता: ______________________ दूरध्वनि : ______________________

  ______________________ ई-मेल : ______________________

  ______________________ मोबाईल : ______________________

  ______________________ पि.नं. : | | | | | | |

- सामाजिक कार्य का अनुभव (यदि अनुभव नहीं है, तो 'अब ऐसा कार्य करने की प्रेरणा कैसे हुई ?' और 'अब यह कार्य कैसे करेंगे?' इसका विवरण):

  ____

  ____

  ____

  ____

- आपके क्षेत्र में सामाजिक कार्य कर रहे व्यक्तियों के नाम/पते :

  श्री/श्रीमती ______________________ श्री/श्रीमती ______________________

  ______________________ ______________________

  ______________________ ______________________

  ______________________ ______________________

- आप कौन से स्तर पर शाखा का संगठन संचालित करेंगे ? ☐ संभाग ☐ राज्य ☐ जिला

- आजकल आप क्या कर रहे हैं ? अगर अन्य कार्यों में (जैसे व्यापार, उद्योग में) व्यस्त हैं, तो आप इस कार्य के लिए समय कैसे निकालेंगे ?

  ____

  ____

  ____

- स्वीकृति: मैं चोरड़िया एवं सहगोत्र महासंघ संगठन के कार्य में जुड़ना चाहता हूँ। महासंघ की कार्यकारिणी उचित समझे वहाँ पर मुझे इस कार्य के लिए सम्मिलित कर सकती है। मैं इस कार्य के लिए किसी प्रकार के आमदनी/पारितोषिक की अपेक्षा नहीं रखता। महासंघ के नियमों का मैं पालन करुंगा। महासंघ के विधान अनुसार कार्य करुंगा।

हस्ताक्षर ______________________